परिवर्तन

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा :
शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज
प्रणेताः श्रुतप्रिय श्रमण 108 अप्रमितसागर जी
संपादक : श्रुतसंवेगी श्रमण 108 आदित्यसागर जी
सहयोग : सहजानंदी श्रमण 108 सहजसागर जी
कृति का नाम : परिवर्तन
संस्करणः प्रथम -3000/2023
प्रकाशक : समर्पण समूह, भारत
प्राप्ति स्थान :
भोपाल : 91790-50222
जबलपुर : 98276-07171
इन्दौर : 98260-10104
इन्दौर : 94253-16840
भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण :
डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर
मो.: 98260-14047

शुभाशीष

भारत भूमि अनादिकाल से श्रमण-संस्कृति एवं दिगम्बर वीतरागी श्रमणों की पदरज से पावन है। इसी भूमि पर तीर्थंकर भगवन्तों ने जन्म लिया तथा इसी पर श्रीराम आदि बलभद्रों ने जन्म लिया और स्व-पर का कल्याण मार्ग प्रशस्त किया है।

महान-महान साहित्य रचनाओं का बहुमान भी भारत भूमि को प्राप्त है। **''सम्प्रति में भी साहित्य सृजन चल रहा है। साहित्य वही श्रेष्ठ है, जो पाठक एवं लेखक दोनों के हितार्थ हो।''**

अन्तेवासी श्रुतप्रिय मुनिश्री अप्रमितसागर जी ने अपनी आत्म-साधना के क्षणों को निकालकर **''परिवर्तन''** कृति का सृजन किया है, आपकी श्रुताराधना एवं आत्म-साधना को देखकर जन-जन का हृदय मुदित है, आप इसी प्रकार श्रीजिनशासन जिनभारती की आराधना करते रहें, यही शुभाशीष...।

पावन वर्षायोग
बड़ौत (उ.प्र.) भारत
23 अगस्त 2023

-श्रमणाचार्य विशुद्धसागर

मेरे परिवर्तन

वक्त आपका अच्छा चल रहा हो और आपके जीवन में अच्छे परिवर्तन आ रहे हों तो ये कोई बड़ी बात नहीं है अपितु वक्त आपका बुरा चल रहा हो तो आपके जीवन में अच्छे परिवर्तन आ रहे हो तो ये बहुत नहीं बहुत-बहुत बड़ी बात है।

आप चाहें तो अपना बुरा परिर्वतन कर सकते हैं और आप चाहें तो अपना अच्छा परिवर्तन कर सकते हैं क्योंकि अपना परिवर्तन अपने ही हाथ में है।

आपके जीवन में नये-नये परिवर्तन आये इसी उद्देश्य को लेकर मैंने ''परिवर्तन''कृति का सृजन किया है।

इस अनुपम कृति को मेरे आराध्य प.पू. शताब्दी देशनाचार्य गुरुवर विशुद्धसागरजी यति का वृहद आशीर्वाद संप्राप्त हुआ और मेरे अग्रज श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागरजी महाराज ने इस कृति को संपादित करके अनुपमता प्रदान की है।

आशा करता हूँ कि यह ''परिवर्तन'' कृति आपके जीवन में अनूठे परिवर्तन लाने में साधकतम साधन बनेगी। साथ ही नई दिशा प्रदान करेगी...

।। विशुद्धात्मने नमः ।।

विशुद्ध ज्ञान वर्षयोग
2023 भीलवाड़ा

विशुद्धगुणानुरागी
श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमित सागर

परिवर्तन

बदल जाओ तुम
तो कोई गम नहीं मुझे,
मगर
मैं कभी नहीं बदलूँगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मुझे बदलने वालों से
मेरा कहना है-
मैं कभी नहीं बदलूँगा
मुझे बदलने वालों को ही
मैं बदलूँगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मुझे बदलने की
ताकत नहीं है उसमें,
इसीलिये तो
वह बदल गया है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मुझे बदलने की कोशिश मत करो
कहीं मैं बदल गया
तो तुम अपने आपको
संभाल नहीं सकोगे !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

दु:ख के दिन बदलने के लिये
बदलना स्वीकार कर लेना,
जब कोई अपना कहे कि-
बदल जाओ !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अंजाम अच्छा ही होता है
जब कोई अपना हितैषी
बदलने की बात करता है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मुझे बदलने के लिये आना है
यह सोचकर
समझकर,
संभलकर ही मेरे पास आना,
क्योंकि
मेरे पास आकर
कई लोग बदल चुके हैं !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

बदलते समय में
समय भले ही बदलता रहे,
परंतु
आप न बदलें
समय आपका ही बदलेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

बदलते समय में
कहीं आप ही बदल गये,
तो
समय ही आपको बदलेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

हर कोई यही कहता है-
कि मौसम बदले,
पर
तुम नहीं बदलना,
लेकिन
उन लोगों से कहना है मेरा
आप लोग स्वयं ही बदल जाते हो;
इसलिये
मैं बदला हुआ नज़र आता हूँ !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

आपकी नज़र बदलती है
तो लोग आपका
नज़रिया पहचान जाते हैं,
इसलिये
अपनी नज़र अच्छी रखना
तो आप अच्छे नज़र आओगे !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

लोग कहते हैं-
आज नहीं तो कल
सब बदलेंगे,
पर
मैं कहता हूँ-
मैं नहीं बदलूँगा
क्योंकि
जिसे आप मैं समझ रहे हो
वो मैं हूँ ही नहीं !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

नाम बदल लेने से
किसी का नाम नहीं चलता,
अपितु
नाम के साथ
सही काम करने से
नाम चलता है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

लेखनी
सही चलती है
तो किस्मत में बदलती है-
और
गलत चलती है
तो बदकिस्मती में बदलती है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

बदला लेने के लिये
बदलाव करो अपने ही व्यवहार में
तो बदला लेने वाला कह उठेगा
पलकें बिछाकर बैठे हैं हम
तुम्हारे ही इंतज़ार में !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

गुरु
शिष्य का जीवन बदलते हैं,
परंतु
गुरु बदल गये
तो शिष्य का जीवन उजड़ता है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अपनी आवाज सुनकर
बदलो स्वयं को
तो लोग
स्वयं ही बदल जायेंगे !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

बदला कुछ भी नहीं इस दुनिया में
आपका नज़रिया ही बदल गया है,
इसलिये
सब कुछ बदला हुआ
नज़र आ रहा है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मैं जिसे कल अच्छा समझता था
वही आज मुझे बुरा नज़र आ रहा है,
क्योंकि
वो नहीं,
मैं ही बदला हूँ
इसलिये तो
वो बुरा नज़र आ रहा है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

कल बदलने की अपेक्षा
आज ही नहीं
अभी बदल जाओ,
क्योंकि
अगला पल किसने देखा है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

गम नहीं है मुझे
उसके बदलने का
परंतु
गम तो इस बात का है कि-
वो मेरे बगैर रह कैसे पायेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

आज बदलो या फिर कल
बदलना ही पड़ेगा,
किसे?
अपने भावों को ही
तभी सिद्धों की श्रेणी में
तुम्हारा नाम लिखा जा सकेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

आज आप बदला लेंगे तो
कल दूसरा आपसे बदला लेगा,
इसलिये
मानो बात हमारी
बदले का भाव बदलो
तो कोई बदला ही नहीं लेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मैं आज तक
दूसरों को ही बदलता आया हूँ,
इसलिये तो
आज तक संसार में भ्रमाया हूँ !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

लोग कहते हैं
वो न होता
तो मैं बदलता नहीं,
यही तो मानव का एक भ्रम है,
इसलिये
आज तक सुधरा ही नहीं !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

समय ने
किसी को नहीं बदला,
परंतु
समय का सदुपयोग
नहीं करने वाले का
अच्छा समय जरूर बदलता है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अशुद्ध पर्याय बदलकर
शुद्ध पर्याय में बदलती है,
जब आत्मा अशुद्ध भावों को तजकर
शुद्ध भावों को धरती है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

आज कल
गिरगिट से नहीं
उन इंसानों से बचने की जरूरत है
जो हर पल बदलते ही रहते हैं !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

ज़िंदगी बदलेगी
वो तो सभी की बदल रही है,
परंतु
ध्यान देना हमेशा-
ज़िंदगी को बदलना है
तो गुरु से बंदगी
करना पड़ेगी !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

नज़रें कभी खराब नहीं होती
आपका चश्मा पुराना है,
चश्मा बदल लो
तो सब स्पष्ट झलकता है,
इसलिये सुनो
इस दुनिया में कोई भी खराब नहीं
बस अपने देखने का
नज़रिया बदल लो !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मैंने उससे कहा कि-
अब मैंने बदला लेना छोड़ दिया है,
इसलिये
अब वो भी बदल गया है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

हर इंसान को पता है
एक दिन सबकी
राख होना ही है,
फिर भी न जानें
लोग खुद को क्यों नहीं बदल पाते !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

आज उसने बदला लिया है मुझसे,
तो मैं भी जरूर लूँगा
लेकिन
खुद को ही बदलकर !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

यह जरूरी नहीं है कि
कोई बदला है
तो आप भी बदलें
जरूरी तो यह है कि-
वह बदला क्यूँ है? !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

सफल व्यक्ति का काम नहीं
लक्ष्य बदलना,
उत्साह के साथ बढ़ते जाना है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

हकीकत तब मालूम चलती है
लोगों की
जब आपको उनकी जरूरत होती है
और
वे लोग ही बदल जाते हैं !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

काश!
उसके बदलने के पहले ही
मैं स्वयं को बदल लेता
तो आज इतना दु:ख न होता !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अपना स्वभाव
अगर बदल ले इंसान
तो उसे
भगवान बनने में
देर नहीं लगेगी !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

जब कोई आपके
बार-बार समझाने पर भी
न बदले,
तो समझदारी इसी में है कि
आप स्वयं शांत होकर
बदल जायें !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मुझे उसके बदलने का
कोई गम नहीं है
खुशी ही है,
क्योंकि
जिससे गम मिलने वाला था
अब वो ही बदल गया है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

भूत का समय बीत चुका है
अब नहीं बदलेगा,
एक काम करो-
वर्तमान का समय बदलो
जिससे भविष्य का समय
आपको ही बदलता हुआ
नज़र आयेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

आपके अपने
तभी बदलते हैं,
जब आप अपनों के साथ
परायों जैसा व्यवहार करते हैं !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

वो बदल गया तो
हम समझ गये कि-
वो मतलब के लिये ही जुड़ा था !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मैं दु:खी नहीं होऊँगा
जब आप ऐसा नियम ले लेंगे
तो किसी के बदला लेने पर
या बदल जाने पर
आपको कोई फरक ही नहीं पड़ेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

उसके बदलने के बाद
यदि वो मेरे पास आया
तो मैं उसे जरूर स्वीकारुँगा
इसलिये कि
उसे यह एहसास हो जाये
मैं ही उसका हूँ !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

समय रुकता ही नहीं
वह तो हर पल बदलता रहता है,
परंतु
सुनो मेरे मित्र !
जो समय पर बदल जाता है
वही सभी का समय बदलता है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

जब मैं बदला
तो वो कहने लगा कि-
मैं बदल गया,
जब वो खुद बदला
तो उसे समझ में आ गया कि-
मैं क्यूँ बदला था !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मुझे बदलने की चाह
हर कदम पर रखते थे लोग,
परंतु
हरदम बदलते थे वे ही लोग !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

हर व्यक्ति
आपके बदलाव को
देखना चाहता है,
परंतु
अपना बर्ताव बदलना नहीं चाहता है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

लक्ष्य बदलकर
लक्ष्य नहीं मिलता है,
आप अपना तरीका बदलें
तो लक्ष्य जल्द ही मिलता है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

हर व्यक्ति चाहता है
मैं एक अच्छे इंसान के रूप में दिखूँ,
लेकिन
यह कभी कोई नहीं चाहता
मैं अपनी हरकतें भी बदलूँ !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

तुम्हारे बदलने से पहले
मैं ही बदल जाऊँगा,
क्योंकि
तुम्हारे बदलने से
तुम्हें ही तकलीफ होगी
और
ऐसा मैं नहीं चाहता हूँ !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

दुनिया भले ही
बदले की भावना रखे,
लेकिन
मैं हमेशा बदलने की भावना रखता हूँ,
क्योंकि
बदला लेने से कोई नहीं बदलता,
आप स्वयं को बदलो
दुनिया बदला लेना ही भूल जायेगी !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

एक मित्र दूसरे मित्र की
बुरी आदतों को
अच्छी आदतों में
बदलने का प्रयास करें,
तो समझ लेना
वही सच्चा मित्र है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

एक अच्छा इंसान
बुरे इंसान के रूप में
तभी बदलता है,
जब उसके साथ रहनेवाले
लोग ही बदल जाते हैं !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

जब से बदला हूँ मैं
मेरी ज़िंदगी ही बदल गयी,
क्योंकि
बदलने वाला कोई और नहीं
मेरे गुरु ही हैं !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

जब जरूरत थी
तो वो बदल गया,
जब मैं चला जाऊँगा
तो उसे मेरी जरूरत अखरेगी !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मैंने उसे
बदलने के लिये मना किया था
फिर भी
वो बदल गया,
अब उसे
पश्चाताप होता है
मैंने उसकी बात क्यों नहीं मानी !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

प्रकृति के साथ बदलाव किया
तो प्रकृति
तुम्हारा ही बदलाव कर देगी !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

बदलकर क्या किया तुमने
एक अच्छा इंसान
कम कर दिया दुनिया में तुमने !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

जब बदला वो
तो मैं समझ गया कि-
वो पागल था
जो मुझे समझ ही नहीं सका !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

आप जब भी बदलें
तो ऐसा बदले कि-
दुनिया भी वैसा ही
बदलने को मज़बूर हो जाये !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

बदलने के पहले
एक बार जरूर सोचना कि-
मैं क्यूँ बदल रहा हूँ
कहीं बाद में पछताना न पड़े !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

एहसान जताने के बदले
उसे यह एहसास करा दो कि-
एहसान करने वालों को
एहसान की जरूरत नहीं पड़ती है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

बदलना एक स्वभाव है
सही बदले
तो स्वभाव भाव है
और
गलत बदले
तो विभाव भाव है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

बुरा नज़रिया
बदलकर
देखो तो जरा,
जरा-सी देर नहीं लगेगी
अच्छे लोगों की नज़रों में
नज़र आओगे !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अंदाज कुछ ऐसा बनाओ
जब आप बदलें
तो
लोग आपसे मिलने के लिये तरसें !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अच्छा नज़रिया बदलकर
देखो तो जरा,
जरा-सी देर नहीं लगेगी
अच्छे लोगों की नज़रों से
उतर जाओगे !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

ज़िंदगी भर
कोसते रहे हम जिन्हें,
जब सब बदल गये
तब साथ देनेवाला कोई और नहीं
वे ही थे हमारे !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

जो कल अपना था
वो आज बदल जाये
तो दुःखी मत होना,
थोड़ा इंतज़ार करना
उसे भी एहसास होगा
जब उसका ही कोई अपना बदलेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

बदलकर खुद को
अच्छा ही तो किया उसने,
जिस भ्रम में थे हम
उसे तोड़ दिया उसने !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

बोलने से बदलनेवाले
बहुत हैं दुनिया में,
लेकिन
आप बदलकर मौन हो जाना
तो नाम चलेगा दुनिया में !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

मैं भी एक इंसान हूँ
और
वह भी,
मुझे भी बदलने का हक
और
उसे भी,
लेकिन
सही बदलने वाला
सही इंसान है
गलत बदलने वाला
सही में शैतान है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

जब कोई
खामोशी के साथ बदले,
तब समझ लेना कि-
कोई बड़ा तूफान आने वाला है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अपन बदलें
अपनी सोच बदलें,
तो अपने तो आपका हैं ही
पराया भी आपके हो जायेंगे !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अब तुम्हें
बदलने की जरूरत नहीं है,
क्योंकि
हमें तुम्हारी जरूरत ही नहीं है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अंदर रहकर बदल जाओ
तो
किसी को कुछ फरक नहीं पड़ेगा,
बाहर रहकर बदल गये
तो अंदर से जुड़े लोगों को
बहुत फरक पड़ेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

जहाँ बदलाव जरूरी होता है
वहाँ हम बदलाव नहीं करते,
इसलिये तो
सारे जग में बदनाम हुआ करते हैं !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

आपके विश्वास को
अविश्वास तभी होता है,
जब आप बदल जाते हो !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

उपयोग बदलता
उसमें उपयोग ले जाने से,
जिसमें उपयोग नहीं है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अगर
आपके बदलने से
किसी को खुशी मिलती है,
तो जरूर बदल जाना
क्योंकि
दु:ख देकर आज तक किसी को
खुशी नहीं मिली है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

सफल बनने के लिये
तरीका बदलो
दुनिया जिस रास्ते पर चल रही है
उससे कुछ हटकर चलो !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अगर
किसी के बदलने पर
उसे दु:ख मिलने वाला हो
तो उसे एक बार जरूर समझाना,
न समझे,
तो खुद को समझाना कि-
जब ठोकर लगेगी
तो वह समझ जायेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

हर किसी की ज़िंदगी में
बदलाव का समय आता है,
लेकिन
जैसा कर्म किया होता है
वैसा ही नज़र आता है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

बचपन में
माता-पिता बच्चों को
जो भी अच्छा-बुरा सिखाते हैं,
बड़े होने पर
आप उसे बदलना चाहें
तो वह कभी नहीं बदलेगा,
इसलिये
जैसा आप अपने बच्चों का
भविष्य देखना चाहते हैं
वैसा ही सिखाना प्रारंभ करें !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

जब बदलने का समय था
तब आप बदले नहीं,
अब समय बदल गया है
तो बदलने की बात करते हो !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

दुनिया में आज
बदलने वाले बहुत हैं
लेकिन
आप ऐसा काम करो कि-
आपका नाम
उन लोगों में न लिया जाये !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

हम हमेशा
दूसरों को बदलने के
प्रयास में लगे रहते हैं,
एक प्रयास स्वयं को
बदलने में कर लेते
तो आज सिद्धों के बीच जरुर होते !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

लोग शरीर के दुबलेपन
या फिर मोटेपन के बदलाव की
बात किया करते हैं,
मैं कहता हूँ
परिणामों में बदलाव लाओ
शरीर की ही जरूरत नहीं पड़ेगी !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अब मैंने बदला लेना छोड़ दिया है
बदलना प्रारंभ किया है,
क्योंकि
बदला लेने से
बदला ही मिलता है
बदलने से बदला मिटता है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

ऊपर उठने के लिये भी
बदलाव चाहिये
और
गिरने के लिये भी,
अब आप जो चाहो वो करो
क्योंकि
अपनी मर्जी के मालिक भी हैं
आप !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

सीखो गुरु से समय बदलना
क्योंकि
समय बदल गया
तो समय तुम्हारा ही चलेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

कई बार सोचता हूँ
लोग बदल क्यूँ जाते हैं?
तब अंदर से
एक दिन आवाज आती है,
इसी का नाम तो संसार है !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

भविष्य बदलने की चिंता न करके
अपनी आदतों का सुधार करो
और
भविष्य को उज्ज्वल करो !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

दुनिया की सारी चीज़ों को
बदलकर देख लिया तुमने
फिर भी सुख नहीं मिला,
क्योंकि
आज तक तुमने
अपना स्वभाव नहीं बदला !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अपेक्षाओं को बदलकर
उपेक्षा में बदलो,
क्योंकि
अपेक्षायें दु:ख ही देती हैं
और
उपेक्षा सुख !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

जहाँ लोगों का
स्वार्थ पूर्ण होता है
लोग वहाँ पहुँच जाते हैं
और
हम समझते हैं
वे बदल गये;
लेकिन
आप सोचें
क्या आपने ऐसा कभी नहीं किया !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

अपनों के बदलने पर भी
जब हम नहीं बदले
तब पर की बात ही कहाँ !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर

परिवर्तन

श्मशान जाकर
एक बार जरूर देखना,
जिसे आप रख रहे हो
वह भी श्मशान जाकर
राख में बदल जायेगा !!!

✍ श्रुतप्रिय अप्रमितसागर